मुख्य परीक्षा

प्रश्न- सरक्रीक एवं सियाचिन विवाद का संक्षिप्त परिचय देते हुए इसके सामरिक एवं आर्थिक महत्व को समझाइए। (200 शब्द)

Give a brief introduction of the disputes of Sir Creek and Siachin and explain their strategic and economic importance. (200 Words)

मॉडल उत्तर

- **भूमिका में सरक्रीक और सियाचिन विवाद का संक्षिप्त परिचय दें।**
- **भारत के संदर्भ में इसका सामरिक महत्व बताएं।**
- **भारत के संदर्भ में इसका आर्थिक महत्व बताएं।**
- **अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।**

उत्तर- भूमिका में निम्न बातों को शामिल करना चाहिए-

सरक्रीक तथा सियाचिन भारत तथा पाकिस्तान के मध्य एक विवादित क्षेत्र है। जिसमें सरक्रीक 60+36.4 किमी. अरब सागर में स्थित है, जबकि सियाचिन 20,000 फीट की ऊँचाई पर जम्मू एवं कश्मीर में स्थित एक हिमनद क्षेत्र है।

मुख्य विषय वस्तु-

- गुजरात एवं पाकिस्तान के मध्य सरक्रीक सीमा विवाद पाकिस्तान द्वारा सरक्रीक के पूर्वी तट ग्रीन लाइन को बार्डर मानता है, जबकि भारत थलवेज डक्ट्रीन के आधार पर सरक्रीक के मध्य रेड लाइन को बार्डर मानता है।
- भारत तिब्बत के पास जम्मू एवं कश्मीर के उत्तर में स्थित 76 किमी लम्बा और 20,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित सियाचिन एक हिमनद क्षेत्र है, जो वर्तमान में भारत के कब्जे में है।
- शिमला समझौते के परिणाम स्वरूप इस क्षेत्र में भारत तथा पाकिस्तान के बावजूद 1984 में पाकिस्तानी सेना का प्रवेश तथा भारत द्वारा ऑपरेशन मेघदूत के द्वारा पुनः खाली कराया गया।

आर्थिक तथा सामरिक महत्व :

- सरक्रीक क्षेत्र में विशाल तेल एवं गैस का भण्डार है।
- यह क्षेत्र एशिया का सबसे बड़ा मत्स्यन का क्षेत्र होने के कारण इसका आर्थिक महत्व ज्यादा है।
- यह क्षेत्र भारत की तरफ से दलदली होने के कारण सेना तैनाती हेतु दुर्गम है।
- पाकिस्तान की तरफ समतल भूमि की मौजूदगी तथा भारतीय मछुआरों को अवैध कब्जे में लेना।
- भारतीय मछुआरों की नावों का घुसपैठ में प्रयोग।
- इस क्षेत्र का बड़ा भाग पाक के अधिकार में होने के कारण मुंबई स्थित परमाणविक संयंत्र तथा स्थल खतरें में।
- भारत द्वारा सियाचिन को एडवेंचर टूरिज्म का दर्जा देना, इसके आर्थिक महत्व को दर्शाता है।
- सियाचिन में भारत की तरफ विपरीत चढ़ाई तथा पाकिस्तान की तरफ अपेक्षाकृत समतल होने के कारण सामरिक महत्व का है।
- इस क्षेत्र में भारत, चीन, पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान पर निगरानी कर सकता है।
- यह चीन-पाक आर्थिक गलियारे के विशेष संदर्भ में सुरक्षा संतुलन स्थापित करने में सहायक है।